कार्यालय पुलिस आयुक्त, दिल्ली पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली

संख्या—520 जनसम्पर्क शाखा, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली दिनांक 14.8.2020

सेवा में,

श्रीमान सम्पादक
नवभारत टाइम्स, बहादुर शाह जफर मार्ग
नई दिल्ली— 110002

विषयः— स्नैचिंग के मामले बढ़े,बाकी अपराध पिछले साल से घटे,शीर्षक के अन्तर्गत छपी खबर के संदर्भ में खंडन।

महोदय,

कृपया, दिनांक 12 अगस्त, 2020 को आपके समाचार पत्र में उपरोक्त शीर्षक के अन्तर्गत छपी खबर का अवलोकन करें। खबर का शीर्षक पूर्णतया भ्रामक है। संवाददाता ने चुनिंदा आंकड़ों का विश्लेषण कर एकतरफा आंकलन के सहारे अनावश्यक रूप से तूल दिया है। जिसका दिल्ली पुलिस खंडन करती हैं।

आपके संवाददाता ने आंकड़ों के आधार पर अपने पाठकों को झपटमारी के बारे में स्थिति को बढ़ा—चढ़ा कर बताया है। जो सत्य से परे हैं। इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि दिल्ली पुलिस का सदैव प्रयास रहा है कि ज्यादा से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज किए जाए। इस वर्ष 31 जुलाई तक लूटपाट व झपटमारी के की वारदातों में शामिल 4425 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। अपराधियों पर दबाव बनाएं रखने के सार्थक परिणाम भी देखने को मिले और बड़ी संख्या में अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ—साथ चोरी किए गए सामान की बरामदगी भी हुई है। लॉकडाउन के दौरान अपराधों की संख्या में मूलतः कमी आई है। कुछ अपराध ऐसे हैं, जिनमें झपटमारी भी है, जिन पर पुलिस की विशेष निगरानी है। इन अपराधों की संख्या में आंशिक वृद्धि रजिस्ट्रेशन पर जोर देने के कारण दिखाई देती है। इनकी रोकथाम के लिए पुलिस पेट्रोलिंग, पिकेट चैकिंग और विज़िबिलिटी बढ़ाई गई। जिसके परिणाम स्वरूप ऐसे अपराधों में शामिल अपराधियों की धर—पकड़ ज्यादा हुई। कई ऐसे कुख्यात झपटमारा गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो झपटमारी की दर्जनों वारदातों में शामिल रहे हैं। इसके साथ कई ऐसे गिरोह जिनमें पिछली कई वारदातों में लिप्त बदमाश, ईनामी बदमाश व पैरोल पर आए बदमाश शामिल हैं, का भी पर्दाफाश किया है। स्ट्रीट क्राइम को नियत्रण करना पुलिस की सदैव प्राथमिकता रही हे और उसी दृष्टि से स्थानीय पुलिस के साथ—साथ अपराध शाखा,

स्पेशल सेल, ट्रैफिक पुलिस व पीसीआर द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावशाली कदम उठाये गए हैं।

विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों के कारण प्रथम बार अपराध करने वाले युवा अपराधियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है, जिनकी पहचान करना पुलिस के लिए एक चुनौती रही है। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाये जा रहे युवा प्रोग्राम के अंदर ऐसे भटके हुए युवाओं को स्व–रोजगार का प्रशिक्षण देकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है।

दिल्ली में फ्री रजिस्ट्रेशन और यहां तक पीसीआर कॉल पर केस रजिस्ट्रेशन की सुविधा से इस वर्ष जून माह में ही 1995 पीसीआर कॉलस मिली जिनमें 921 उचित कॉलस पाई गई और उन पर केस दर्ज हुए और इसी तरह जुलाई माह में 1854 पीसीआर कॉलस मिली जिनमें 872 उचित कॉलस पाई गई और उन पर मामले दर्ज किये गये। इसके बावजूद भी झपटमारी की वारदातों में कमी आई है। स्वयं खबर में प्रकाशित आंकड़ों में यह दर्शाया गया है कि जून माह में झपटमारी की 922 वारदात हुई जबकि जुलाई माह में 872 वारदात घटित हुई।

उपरोक्त तथ्यों को मद्देनज़र रखते हुए आपसे आग्रह है कि अपने संवाददाता को निर्देशित करें कि ऐसी संवेदनशील खबर प्रकाशित करने से पूर्व किसी अधिकृत पुलिस अधिकारी से तथ्यों की पुष्टि कर लें। ताकि संबंधित समाचार एक समग्र रूप से पाठकों तक पहुंच सके।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस स्पष्टीकरण को उचित स्थान पर प्रकाशित करने का कष्ट करें ताकि आपके पाठकों को सही जानकारी मिल सके।

भवदीय

ईश सिंघल
14/8/2020

(डॉ ईश सिंघल) भा.पु.से
जनसम्पर्क अधिकारी
दिल्ली पुलिस, दिल्ली